DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 नवम्बर, 2022

G20

❖ **प्रसंग**

➢ हाल ही में, बाली शिखर सम्मेलन समाप्त होने के उपरांत भारत ने आधिकारिक रूप से 2023 के लिए G20 की अध्यक्षता संभाली।

बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन के महत्वपूर्ण निष्कर्ष

- रूसी आक्रमण की निंदा
  - G20 नेताओं ने "अत्यंत कठिन शब्दों से " यूक्रेन में रूस की आक्रामकता की निंदा की। इस दौरान G20 नेताओं ने एक घोषणा को स्वीकारा तथा बिना शर्त आक्रमण के वापसी की बात की
- **यूएसए-चीन संबंध**
  - शिखर सम्मेलन से पहले संयुक्त राज्य अमेरिका और चीनी राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई थी।
  - बैठक में कई मुद्दों विशेष रूप से ताइवान, व्यापार प्रतिबंधों ,तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से सम्बंधित प्रमुख मतभेदों पर विचार किया गया , दोनों देशो ने निर्बाध संचार और टकराव से बचने पर सहमति व्यक्त की।
- **वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने की आवश्यकता**
  - G20 अर्थव्यवस्थाओं ने स्पिलओवर से बचने के लिए ब्याज दर में तेजी से वृद्धि करने की अपनी घोषणा में सहमति व्यक्त की।
  - G20 अर्थव्यवस्थाओं ने मुद्रा चाल में "बढ़ी हुई अस्थिरता" की चेतावनी दी। यह कोविड-19 से हुए हानि को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक है।
- **खाद्य सुरक्षा**
  - G20 अर्थव्यवस्थाओं ने खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए समन्वित कार्रवाई करने का वादा किया तथा काला सागर अनाज पहल की सराहना की
- **जलवायु परिवर्तन**
  - G20 नेताओं ने वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।
  - उन्होंने पुष्टि की कि वे जलवायु परिवर्तन पर 2015 के पेरिस समझौते में निर्धारित तापमान लक्ष्य के साथ खड़े हैं।

जी -20

- के बारे में
  - G20 दुनिया की प्रमुख विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ने वाला एक रणनीतिक बहुपक्षीय मंच है।
  - इसकी शुरुआत 1999 में वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक के रूप में हुई थी।
  - साथ में, G20 सदस्य विश्व सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत से अधिक, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के 75 प्रतिशत और विश्व जनसंख्या के 60 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **बैठकें**
  - G20 का एक वार्षिक शिखर सम्मेलन होता है जिसमे राष्ट्राध्यक्ष तथा शासनाध्यक्ष सम्मिलित होते हैं ।
  - समूह का अपना कोई स्थायी कर्मचारी नहीं है, इसलिए प्रतिवर्ष दिसंबर में एक सर्कुलर रोटेशन के आधार पर इस समूह का एक सदस्य समूह की अध्यक्षता ग्रहण करता है।
- **सदस्य**
  - इसमें 19 देश और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं।
  - अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ।

जी20 नेताओं को पीएम का तोहफा

❖ प्रसंग

➢ G20 शिखर सम्मेलन में, भारतीय प्रधान मंत्री ने राष्ट्राध्यक्षों तथा शासनाध्यक्षों को गुजरात और हिमाचल प्रदेश में निर्मित शिल्प भेंट किए।

कांगड़ा पहाड़ी पेंटिंग

- अमेरिकी राष्ट्रपति को भेंट की।
- यह लघु चित्रकला भक्ति के साधन के रूप में

पाटन पटोला स्कार्फ

- यह इटली के प्रधानमंत्री को उपहार में दिया गया।
- यह स्कार्फ पाटन, गुजरात में बुने गए एक रंगीन दुपट्टे को एक सजावटी सदेली बॉक्स में रखा गया था, जो

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

प्रेम के विषय पर आधारित है।

- इनकी उत्पत्ति चंद (1744-1773) द्वारा , राजा गोवर्धन के संरक्षण में हरिपुर-गुलेर में हुई थी। राजा गोवर्धन ने मुगल शैली की चित्रकला में प्रशिक्षित शरणार्थी कलाकारों को शरण दी।

पिथौरा पेंटिंग्स

- यह ऑस्ट्रेलियाई पीएम को दिया गया ।
- पिथौरा पेंटिंग, गुजरात में छोटा उदयपुर के राठवा कारीगरों द्वारा अनुष्ठान जनजातीय लोक कला, आदिवासियों द्वारा निर्मित गुफा चित्रों पर आधारित हैं।
- यह इनके सामाजिक, सांस्कृतिक और पौराणिक जीवन और मान्यताओं को दर्शाता है।
- ये चित्र ऑस्ट्रेलिया के स्वदेशी समुदायों के आदिवासी डॉट चित्रों के समान हैं।

किन्नौरी शॉल

- इंडोनेशिया के राष्ट्रपति को प्रस्तुत किया।
- इस विशिष्ट टुकड़े के डिजाइन पर मध्य एशिया और तिब्बत का प्रभाव दिखाता है
- इन्हे सूरत में निर्मित चांदी का कटोरा भी भेंट किया गया।

मूल रूप से सूरत का एक लकड़ी का शिल्प है।

- डबल इकत दुपट्टा दोनों तरफ पहना जा सकता है। दुपट्टे पर बुने गए रूपांकन रानी की वाव से प्रेरित थे, जो 11वीं शताब्दी में पाटन में एक बावड़ी थी।
- यह कला लगभग 11वीं शताब्दी ईस्वी पूर्व की है।
- यह पाटन में साल्वी परिवार द्वारा शुद्ध रेशम में बुना जाता है, जो पटोला बुनाई में अंतिम जीवित परिवार है।

सुलेमानी कटोरे

- फ्रांस, जर्मनी और सिंगापुर के नेताओं को प्रस्तुत किया गया।
- यह एक अर्ध-कीमती पत्थर है जो गुजरात के नदी तल में राजपीपला और रतनपुर की भूमिगत खदानों में पाया जाता है, और विभिन्न प्रकार के सजावटी वस्तुओं के उत्पादन के लिए निकाला जाता है

माता नी पछेड़ी

- यह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री को भेंट किया गया है ।
- इसका अर्थ है 'माँ देवी के पीछे'।
- इसे गुजरात की कलमकारी भी कहा जाता है।
- इसका कलाम बांस का बना होता है।
- यह एक पवित्र हस्तनिर्मित कपड़ा टुकड़ा है जो गुजरात में खानाबदोश वाघारी समुदायों द्वारा बनाया गया।

कनाल पीतल का सेट

- स्पेन के प्रधानमंत्री को उपहार में दिया गया।
- यह मंडी और कुल्लू, हिमाचल प्रदेश से है।
- इन पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्रों को अब सजावट की वस्तुओं के रूप में उपयोग किया जाता है।

कार्बन सीमा कर और कार्बन सीमा समायोजन तंत्र

❖ **प्रसंग**

➢ भारत सहित देशों के एक समूह ने COP27 में कार्बन सीमा कर नीति का विरोध किया है।

मुख्य बिंदु

➢ बेसिक समूह, (भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका) ने कहा कि यह पहल बाजार विकृति का कारण बन सकती है।

➢ इन देशो ने विकसित देशों से विकासशील देशों को उत्तरदायित्वों के किसी भी अनुचित स्थानांतरण के लिए विकासशील देशों द्वारा संयुक्त प्रतिक्रिया का आह्वान किया है।

कार्बन रिसाव

कार्बन सीमा कर

- इसमें किसी ऐसे देश में निर्मित उत्पाद पर आयात शुल्क लगाना सम्मिलित है जहां जलवायु नियम इसे खरीदने वाले की तुलना में कम कठिन हैं।
- यह यूरोपीय संघ (ईयू) की एक योजना है, जो 2021 लाई गई है। इसके अनुसार 2026 से आयरन और स्टील, सीमेंट, उर्वरक, एल्यूमीनियम और बिजली उत्पादन जैसे कार्बन-गहन उत्पादों पर कर लगाया जाना प्रस्तावित है।
- यह घरेलू उत्पादों और आयात के बीच कार्बन की कीमत को बराबर कर कार्बन रिसाव को रोकेगा।
- यूरोपीय संघ के अलावा, अमेरिका में कैलिफ़ोर्निया स्टेट , बिजली के कुछ आयातों पर शुल्क लागू करता है। कनाडा और जापान भी इसी तरह के उपायों की योजना बना रहे हैं।

- कुछ विकसित राष्ट्र, उत्सर्जन में कटौती के प्रयासों में, अपने ही देशों में कार्बन-गहन व्यवसायों पर उच्च कर लगाते हैं।
- बिजनेसमैन कड़े नियमों वाले देश से ,संभावित रूप से कम कड़े नियमों वाले देश में , उत्पादन को स्थानांतरित करते हैं इस प्रक्रिया को कार्बन रिसाव कहा जाता है।

कार्बन सीमा समायोजन तंत्र

- यूरोपीय संघ के आयातक उस कार्बन मूल्य के अनुरूप कार्बन प्रमाणपत्र खरीदेंगे जिसका भुगतान किया गया होगा। इससे यह स्पष्ट होगा कि माल यूरोपीय संघ के कार्बन मूल्य निर्धारण नियमों के तहत उत्पादित किया गया था।
- इसके विपरीत, गैर-यूरोपीय संघ उत्पादक यह दिखा सकता है कि उन्होंने पहले ही किसी तीसरे देश में आयातित वस्तुओं के उत्पादन में उपयोग किए गए कार्बन के लिए कीमत चुका दी है, तो यूरोपीय संघ के आयातक के लिए संबंधित लागत पूरी तरह से घटाई जा सकती है।

संक्षिप्त सुर्खियां

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई)

❖ **प्रसंग**

» जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 2023 (CCPI) में भारत दो पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गया। इसमें कुल 63 देश सम्मिलित होते हैं।

❖ **मुख्य विशेषताएं**

» 2022 और 2021 में, भारत CCPI पर 10वें स्थान पर रहा, जबकि 2020 में यह नौवें स्थान पर रहा।

- ➢ समग्र स्टैंडिंग में, कोई भी देश सूचकांक पर पहले, दूसरे या तीसरे स्थान पर नहीं रहा।
- ➢ डेनमार्क 79.61 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर है, उसके बाद 73.28 अंको के साथ स्वीडन का स्थान है। भारत को कुल 67.35 अंक प्राप्त हुए हैं ।
- ➢ श्रेणियों में भारत की रैंकिंग: जीएचजी में, यह 9 वें , नवीकरणीय ऊर्जा में 24वे ,और ऊर्जा उपयोग में 9 वे , और जलवायु नीति में 8 वे स्थान पर है।
- ➢ समग्र रैंकिंग में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले ईरान, सऊदी अरब और कजाकिस्तान हैं।

❖ **सीसीपीआई के बारे में**

- ➢ यह तीन पर्यावरण गैर-सरकारी संगठनों जर्मनवॉच, न्यूक्लाइमेट इंस्टीट्यूट और क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क (CAN) इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित किया गया था। ।
- ➢ सीसीपीआई 59 देशों और यूरोपीय संघ का मूल्यांकन करता है, जो मिलकर वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 92 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं।
- ➢ मानकीकृत मानदंडों का उपयोग करते हुए, सीसीपीआई 14 संकेतकों के साथ चार श्रेणियों (ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा उपयोग और जलवायु नीति) को देखता है: यह विभिन्न देशों द्वारा पेरिस समझौते के कार्यान्वयन को ट्रैक करता है।

ऊदा देवी

❖ प्रसंग

➢ हाल ही में उदा देवी की शहादत की स्मृति में लखनऊ के सिकंदर बाग सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

❖ **ऊदा देवी के विषय में**

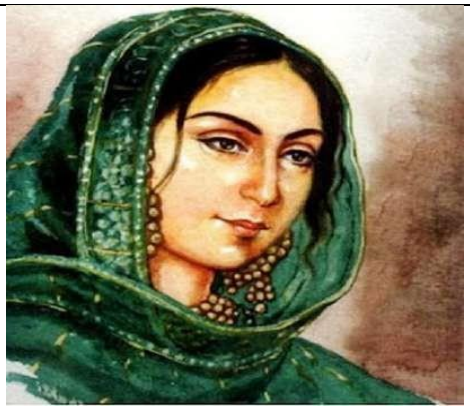

➢ उनका जन्म उजीराव, लखनऊ में हुआ।

➢ वह अवध की बेगम हजरत महल के शाही रक्षक दल का भाग थीं।

➢ उनके पति, मक्का पासी, अवध के नवाब वाजिद अली शाह की सेना में पैदल सैनिक के रूप में काम करते थे।

➢ उन्हें उनकी वीरता की कहानियों और एक नेतृत्वकर्ता के रूप में उनके कौशल के लिए याद किया जाता है। इन्होने लोगों - विशेष रूप से दलित महिलाओं को अंग्रेजों के विरुद्ध हथियार उठाने के लिए एकत्रित किया।

➢ 1857 के विद्रोह के बीच 10 जून को इस्माइलगंज के पास चिनहट में लखनऊ की सेना और हेनरी लॉरेंस के नेतृत्व में ब्रिटिश सैनिकों के बीच लड़ाई हुई।

➢ ऐसा कहा जाता है कि उदा देवी को देखने से पहले एक पेड़ के ऊपर से कम से कम तीन दर्जन ब्रिटिश सैनिकों को मार डाला।

रेड क्राउंड रूफ टर्टल (बटागुर कछुए)

❖ **प्रसंग**

➢ हाल ही में, भारत ने लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) के तहत **रेड क्राउंड रूफ टर्टल** (बटागुर कछुए) नामक मीठे पानी के सरीसृप की एक प्रजाति की बेहतर सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव रखा।

❖ **मुख्य विशेषताएं**

➢ इस प्रजाति के विलुप्त होने का जोखिम काफी अधिक है।

➢ CITES के पक्षकारों का 19वां सम्मेलन 14 नवंबर को पनामा में शुरू हुआ और 25 नवंबर, 2022 तक चलेगा।

❖ **रेड-क्राउन रूफ्ड टर्टल**

➢ **संकट :-**मांस और गोले के लिए कटाई, मछली पकड़ने के जाल में डूबना, जल प्रदूषण, पनबिजली योजनाओं और निवास स्थान का नुकसान।

➢ **वितरण और आवास**

- यह कछुआ मध्य नेपाल, पूर्वोत्तर भारत, बांग्लादेश तथा संभवतः म्यांमार में पाए जाते हैं।
- यह कछुआ भारत और बांग्लादेश का मूल निवासी है।
- यह मीठे पानी की प्रजाति है।

➢ **संरक्षण की स्थिति**

- IUCN लाल सूची- गंभीर रूप से संकटग्रस्त।
- साइट्स- परिशिष्ट II

विक्रम-सबऑर्बिटल (वीकेएस) रॉकेट

❖ प्रसंग

➢ हाल ही में, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) शुक्रवार (18 नवंबर) को अपना पहला निजी रॉकेट लॉन्च करने के साथ एक नए मील के पत्थर को

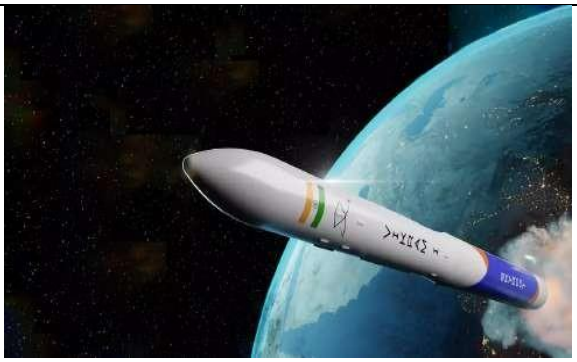

स्थापित करेगा

❖ मुख्य विशेषताएं

➢ स्काईरूट एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (एसएपीएल) , गैर-सरकारी संस्था/स्टार्टअप, ने वीकेएस रॉकेट विकसित किया है।

➢ स्काईरूट , अपने रॉकेट लॉन्च करने के लिए इसरो के साथ , एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाला पहला स्टार्टअप था

➢ यह एक एकल चरण स्पिन स्थिर ठोस प्रणोदक रॉकेट है जिसका द्रव्यमान लगभग 550 किलोग्राम है। ।

➢ रॉकेट 101 किलोमीटर की अधिकतम ऊंचाई तक जाता है और समुद्र में गिर जाता है और लॉन्च की कुल अवधि 300 सेकंड ही होती है।

➢ यह स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला मिशन भी होगा, जिसे 'प्रारंभ' नाम दिया गया है।

➢ यह अंतरिक्ष में कुल तीन पेलोड ले जाएगा, जिसमें विदेशी ग्राहकों का एक पेलोड भी शामिल है।"

अफगानिस्तान पर मास्को प्रारूप परामर्श

❖ **प्रसंग**

➢ भारत रूस की राजधानी में आयोजित 'अफगानिस्तान पर मास्को प्रारूप परामर्श' की चौथी बैठक में सम्मिलित हुआ ।

❖ **मुख्य विशेषताएं**

➢ » यह अफगानिस्तान से संबंधित मुद्दों पर कई संवाद मंचों में से एक है।

➢ इसकी चर्चा में वर्तमान मानवीय स्थिति और सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न हितधारकों के चल रहे प्रयास, अंतर-अफगान वार्ता, एक समावेशी और प्रतिनिधि सरकार का गठन, आतंकवाद के खतरों का मुकाबला करने के प्रयास और क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करना, जैसे मुद्दे सम्मिलित हैं।

➢ इसकी स्थापना 2017 के आरम्भ में अफगानिस्तान के लिए एक अंतरराष्ट्रीय तंत्र के रूप में, काबुल पर तालिबान के अधिग्रहण से पहले, रूस, अफगानिस्तान, भारत, ईरान, चीन और पाकिस्तान से जुड़े छह दलों द्वारा की गई थी।

➢ वर्तमान में, इसमें रूस, चीन, पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और भारत शामिल हैं।

➢ चर्चा में भाग लेने के लिए कतर, सऊदी अरब, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात के मेहमानों को आमंत्रित किया गया था।

➢ तालिबान शासित अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति के संबंध में विशिष्ट चिंताओं पर चर्चा करने के लिए भारत, रूस और ईरान के प्रारूप के भीतर एक अलग समूह बनाने की उम्मीद है।

युवा पेशेवरों का आदान-प्रदान

❖ **प्रसंग**

➢ यूके ने G20 शिखर सम्मेलन में भारत के साथ एक नई "साझेदारी" की घोषणा की।

❖ **मुख्य बिंदु**

➢ यह योजना 2023 के आरम्भ में पास्परिक साझेदारी के आधार पर आरम्भ की जाएगी।

- यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम के तहत, यूके सालाना 3,000 डिग्री धारक भारतीयों को 18-30 वर्ष आयु वर्ग के स्थानों पर यूके में दो साल तक काम करने की पेशकश करेगा।
- ब्रिटेन में सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों में लगभग एक चौथाई भारतीय शामिल हैं और ब्रिटेन में भारतीय निवेश वहां में 95,000 नौकरियों का सृजन करता है।

अनुच्छेद 279ए

❖ प्रसंग

- पश्चिम बंगाल के पूर्व वित्त मंत्री परिषद ने कहा है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक पिछले साढ़े चार महीनों में नहीं हुई है, जो प्रक्रिया और व्यापार विनियमों के संचालन के नियम 6 का उल्लंघन है।

❖ मुख्य बिंदु

- जीएसटी परिषद के व्यापार विनियमों की प्रक्रिया और संचालन संविधान के अनुच्छेद 279ए (8) के अनुसरण में तैयार किए गए हैं।
- नियम 6 के अनुसार - "परिषद वित्तीय वर्ष की प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करेगी।"
- अनुच्छेद 279ए जीएसटी परिषद के गठन से संबंधित है।
- 279ए(7) के अनुसार, माल और सेवा कर परिषद के सदस्यों की कुल संख्या का आधा इसकी बैठकों में कोरम का गठन करेगा।
- 279(9) के अनुसार, जीएसटी परिषद का प्रत्येक निर्णय एक बैठक में, उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के भारित मतों के कम से कम तीन-चौथाई बहुमत से, निम्नलिखित सिद्धांतों के अनुसार लिया जाएगा, अर्थात् :—

- केंद्र सरकार के मत का भार उस बैठक में डाले गए कुल मतों के एक तिहाई के बराबर होगा.
- सभी राज्य सरकारों के मतों को मिलाकर उस बैठक में डाले गए कुल मतों के दो-तिहाई का भार होगा।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare